वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 31 | रविवार 26 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आलोक सौंखिया का जयपुर ज्वेलर्स एसोसिएशन का अध्यक्ष बनना तय

यूनाइटेड ज्वेलर्स ग्रुप के 13 और वॉइस ऑफ ज्वेलर्स ग्रुप के 2 प्रत्याशी जीते

जयपुर. कासं। जयपुर में शनिवार को ज्वेलर्स एसोसिएशन 2024-26 के चुनाव सम्पन्न हो गए। रात करीब 10 बजे 4 हजार 954 वोटों की गिनती के बाद चुनाव अधिकारी सीआर शर्मा ने चुनाव परिणाम की घोषणा की। इसमें यूनाइटेड ज्वेलर्स ग्रुप के 13 प्रत्याशी और वॉइस ऑफ ज्वेलर्स ग्रुप के 2 प्रत्याशी जीते। चुनाव परिणाम के ऐलान के साथ ही यूनाइटेड ज्वेलर्स ग्रुप के समर्थकों ने ढोल बाजों के साथ जश्न मनाया। यूनाइटेड ज्वेलर्स ग्रुप के 13 प्रत्याशियों के जीत के साथ ही आलोक सौंखिया का अध्यक्ष बनना तय हो गया है। सप्ताह भर में नई कार्यकारिणी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष को चुनेंगे। एक पूर्व अध्यक्ष का मनोनयन होगा और दो सदस्यों को 15 सदस्यों की कार्यकारिणी चुनेंगे, जिससे इस कार्यकारिणी में कुल 18 सदस्य होंगे। इससे पहले जनता कॉलोनी स्थित जन उपयोगी भवन में ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर के लिए वोटिंग की गई। वोटिंग के दौरान वॉइस ऑफ ज्वेलर्स टीम के कमल जिंदल ने बताया- ज्वेलर्स एसोसिएशन के लिए केवाईसी बड़ा मुद्दा है। 150 से 200 लोगों का स्वर्गवास (मृत्यु) हो चुका है। वो भी मेंबर बने हुए। उनका भी वोट डल जाता है। इसे रोकना है। इस चुनाव में 30 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें से 15 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। एसोसिएशन के कुल 7,045 सदस्यों में से 4954 लोगों ने वोट किया, जो 70% रही। शाम 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई थी। इसके बाद मतगणना शुरू हुई और रात करीब 10 बजे नतीजे घोषित किए गए।

पियानो की धुन पर कलाकारों ने सुनाए रामायण के प्रसंग

'सोल ऑफ सिंफनी' में कार्यक्रम में हुआ परंपरा और आधुनिकता का संगम

जयपुर. कासं

शहर के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम का नजारा कुछ अलग ही नजर आया। ऑडिटोरियम में एक ओर जयपुर की युवा पीढ़ी ने पियानो वाद्य पर एक से बढ़कर एक रोमांटिक और दिलकश धुनें बजाईं, वहीं दूसरी ओर रवीन्द्र उपाध्याय, डॉ. गौरव जैन, रिनी चंद्रा और हनी टूपर जैसे नामी कलाकारों ने इसी वाद्य की धुन पर रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर संपूर्ण परिवेश को 'परंपरा' और 'आधुनिकता' के रंग मे रंग लिया। मौका था 'सोल ऑफ सिंफनी' पियानो कंजार्वेट्री की ओर से आयोजित सालाना कंसर्ट 'हार्मनी' के आयोजन का। कार्यक्रम के संयोजक और ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रदीप चतुर्वेदी और मणि चतुर्वेदी ने बताया कि संगीत जगत में पियानो अभी तक केवल रोमांटिक धुनों और गानों के लिए ही जाना जाता रहा है, ये पहला मौका है जब इस वाद्य पर संगीत प्रेमियों को आध्यात्मिक अनुभूति भी करवाई गई। यशस्वनी चतुर्वेदी के निर्देशन में दो ग्रैंड पियानो पर पेश की गई। जिसमें सीता की व्याकुलता, राम के विरह और रावण की विवशता को दर्शाते भजन रहे। जिसका संगीत प्रेमियों बड़ी शिद्दत के साथ लुत्फ उठाया। इसके बाद रवीन्द्र उपाध्याय, डॉ. गौरव जैन, रिनी चंद्रा और हनी टूपर की आवाज में पियानो की धुन पर रामायण के प्रसंगों की प्रस्तुति हुईं। इन प्रसंगों में भजन ''कभी-कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े'' भजन के माध्यम से केवट प्रसंग, मेरी झोपड़ी के भाग खुले, राम आएंगे तो मैं अंगना सजाउंगी भजन के माध्यम से शबरी प्रसंग, चर्चित भजन जैसे सूरज की गर्मी से तपते हुए तन को मिल जाए तरूवर की छाया भजन के माध्यम से राम हनुमान मिलन के प्रसंग को जीवंत किया गया। इससे पहले शहर के दर्जनों युवा कलाकारों पर पियानो पर बिलिवर्स, होटल केलीफोर्निया सहित कई चर्चित धुने बजाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान सोल ऑफ सिंफनी के निदेशक प्रदीप मणि चतुर्वेदी ने कंसर्ट के मुख्य अतिथि संगीत गुरु पंडित कुंदनमल शर्मा को शॉल ओढ़ाकर और तुलसी पौधे के साथ विशेष स्वागत किया। वहीं सोल ऑफ सिंफनी के एलुमिनाई विकास बगला को प्रतीक चिन्ह पेश किया गया।

अजमेर की हर्षिका बत्रा बनी मिस राजस्थान 2024

बिड़ला ऑडिटोरियम में हुआ ग्रैंड फिनाले, 28 लड़कियों के बीच हुआ मुकाबला, फर्स्ट रनर अप अर्निका जैन रही

जयपुर. कासं। अजमेर की हर्षिका बत्रा बनी मिस राजस्थान 2024। मिस राजस्थान के 26 वें संस्करण का ग्रैंड फिनाले शनिवार को बिड़ला ऑडियोरियम में हुआ। राजस्थान के विभिन्न शहरों से लड़कियों ने इस ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया। 5 हजार लड़कियों ने इस पेजेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 28 लड़कियों ने फिनाले राउंड के लिए अपनी जगह बनाई। जहां हर्षिका बत्रा ने मिस राजस्थान के विनर क्राउन को अपने नाम किया वहीं फर्स्ट रनर अपआर अर्निका जैन और सेकेंड रनर अप खुशी बेलावाला रहीं। इन ब्यूटी पेजेंट ने अपने बुलंद हौंसलों से ये साबित कर दिखाया कि सपने पूरे होने के

लिए सपनों का देखा जाना जरुरी है, आपकी लगन और मेहनत एक दिन आपके सपनों को उड़ान भरने के लिए पंख जरुर देगी। तीसरी रनर अप सौम्या जोशी, चौथी रनर अप तनु पायल, पांचवी रनर अप डिंपल हरचंदानी और 6ठी रनर अप ज्योति शेखावत रही। मिस राजस्थान के ग्रैंड फिनाले में मुख्य अतिथि के रूप में सीनियर कांग्रेस लीडर, सुरेश मिश्रा, पवन गोयल, रूवी डिजिटल से आलोक शर्मा, जे डी माहेश्वरी, डॉक्टर पूजा अग्रवाल, राहुल भाटिया, हुकुम सिंह कुंपावत, निर्मला सेवानी, अतुल शर्मा, सुरेंद्र कालरा, पार्क ओसियन से संदीप जैन, अंशुल जैन, वासु जैन, कीर्ति जैन, ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। मिस राजस्थान के आयोजक योगेश मिश्रा व निमिशा मिश्रा ने बताया की मिस राजस्थान के ग्रैंड फिनाले मे रेनिंग क्वीन वैष्णवी शर्मा की फेयरवेल वॉक से कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

एकता और अखंडता के सूत्रपात थे आचार्य रघुनाथमल जी म.सा : प्रवर्तक सुकनमुनि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जैतारण। एकता और अखंडता के सूत्र पात थे पूज्य आचार्य रघुनाथमल जी महाराज। शनिवार को मरुधर केसरी पावनधाम जैतारण मे प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने आचार्य रघुनाथमल जी महाराज के 294 वें दीक्षा दिवस पर गुणगान करते हुयें कहा कि ऐसे महान उग्र तपस्वी अपनी संयम की 60 के दीक्षा प्रयाय मे केवल पांच वर्ष नब्बदिन आहर ग्रहण किया था । और राजस्थान महाराष्ट्र आदि प्रांतों मे स्थाकनवासी परम्परा की कठिन परिसर को सहन करते हुए धर्म की अलख जगाई । आपश्री मित्र के वियोग को देखकर संसार को असार समझ योवन अवस्था मे आचार्य भूधर जी म.सा. के पास संयम अंगीकार किया और संयमी जीवन मे 5 वर्ष 90 दिन ही आप ने आहार लिया। आपके प्रवचन से प्रभावित होकर 525 भाई-बहनो ने संयम अंगीकार किया इस परम्परा आगे बढ़ाते हुये मरुधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज थे जो आज जगत मे विख्यात है। आचार्य रघुनाथ जी म.सा ने धर्म से भटक चुके प्राणियों को धर्म की राह दिखाते हुये एकता के सूत्र मे बांधा और जीवन जीने का सही मार्ग दिखलाया था । उप प्रवर्तक अमृत मुनि,युवाप्रणेता महेश मुनि, बाल योगी अखिलेश मुनि,डॉ.वरूण मुनि आदि ने गुणगान करतें हुये कहा कि स्थाकनवासी परम्परा मे आचार्य श्री के योगदान को जैन समाज भूला नही सकता है। मरुधर केसरी पावनधाम सहसचिव अशोक बम्ब ने जानकारी देते हुयें बताया की महासती पुष्पावती उपप्रवर्तनी राजमती, साध्वी कमलप्रभा उप प्रवर्तनी मंजुलज्योति आदि साध्वी वृंद ने भी आयोजित गुणगान सभा मे अपने भाव व्यक्त किये ।

धार्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत आज बच्चों को धर्म और दर्शन सम्बन्धी जानकारी दी

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री दिगंबर जैन मंदिर संघीजी,किशनपोल बाजार जयपुर में चल रहे धार्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत आज बच्चों को धर्म और दर्शन सम्बन्धी जानकारी देते हुए, भगवान जिनेंद्र की पूजा करने की विधि और जानकारी बताई गई। प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार जैन ने

उद्बोधन देते हुए कहा कि शब्दों के अनुसार अगर हम पूजा शब्द को परिभाषित करें तो पूजा का अर्थ होता है पूज्य गुणवान का गुणानुवाद करना। पवित्र आत्मा का गुणानुवाद करके अपनी आत्मा को पुण्य से पवित्र करना पूजा है। उन्होंने कहा पूजा मोक्ष मार्ग के श्रेष्ठ अतिथि की सेवा है वैयावृत्ति है। पूजा पंचपर्मेष्टि रूपी अतिथि का स्वागत है। पूजा एक सामायिक भी है। और पूजा एक ध्यान भी है। जिनालय में उपस्थित बालक बालिकाओं को पूजा अभिषेक और दर्शन आदि का महत्व समझाते हुए विधानाचार्य रमेश गंगवाल ने सभी बालकों को अभिषेक करने की प्रक्रिया को समझाया, और वहां उपस्थित बालकों ने अभिषेक किया। सभी बालिकाओं बालकों को पूजा करने की विधि समझायी, और देव शास्त्र गुरु की पूजा सभी बालक बालिकाओं ने अपने स्वर उच्चारित करते हुए की। शिविर की संयोजिका श्रीमती सोनम जैन, श्रीमती बीना देवी जैन ,श्रीमती ममता जैन संघी, श्रीमती ऋचा जैन ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा सभी बालक बालिकाओं में भगवान की पूजा और अभिषेक करने के लिए बड़ा उत्साह था सुबह प्रातः बेला में ही सभी बच्चों ने जयकारे के साथ पूरे जिनालय को गुंजायमान कर दिया। पूजा समाप्ति के पश्चातबालक बालिकाओं और समस्त उपस्थित महानुभावों को अल्पाहार कराया गया।

ग्रीष्म ऋतु में पशु पक्षियों के लिए कीजिए शुद्ध जल की व्यवस्था

नोतपा के प्रथम दिन जीवदया के अंतर्गत दी गई परिण्डो की सेवा

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवम श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में महावीर सर्कल सुभाष उद्यान के पास स्थापित आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ सोनी नगर स्थित 1008 भगवान आदिनाथ जिनालय, सुभाष उद्यान के बाहर एवम राम भवन, लोहगल रोड पर जीवदया के अंतर्गत आमजन एवम जीवदया प्रेमियों को निशुल्क परिण्डो का वितरण किया गया। श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के नेतृत्व में समाजसेवी श्रीमती मोहिनी देवी गंगवाल(श्री मनोकामना ज्वेलर्स)के सौजन्य से 180 व्यक्तियो को परिण्डो का वितरण करके इसमें साफ स्वच्छ जल भरकर छत पर बालकानी पर अथवा घर की मुंडेर पर रखकर नियमित रूप से उपयोग में लेने की शपथ दिलाई गई। जन संपर्क अधिकारी संजय जैन ने बताया कि श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर समय समय पर धार्मिक सामाजिक कार्य के साथ जीवदया के अंतर्गत सेवा देने के लिए जिनमे विशेषकर गोवंश के लिए हराचारा, दलिया, गुड के साथ पक्षियों के लिए शुद्ध जल हेतु परिण्डो आदि की व्यवस्था में अग्रणी स्थान रखे हुए है।

धांमनोद नगर की महिला मंडल ने धांमनोद से बनेडिया अतिशय क्षेत्र धार्मिक यात्रा का आयोजन

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धांमनोद। धांमनोद 7 की महिला मंडल ने धांमनोद से बनेडिया अतिशय क्षेत्र का धार्मिक यात्रा का आयोजन किया। महिलाये धांमनोद से बनेडिया तीर्थ स्थान पहुची जहाँ प्राचीन काल मे यह मन्दिर उड़ कर आया है व चमत्कारी प्रतिमा अजितनाथ जी भगवान की है ।मन्दिर में कुल चार बेदी जी है भगवान का समोशरण विराजमान है, अखंड जोत भी है श्री शांतिनाथ मण्डल विधान का पूजन कर के महिलाओं ने देवालपुर व ढाई दीप के मन्दिर जो इंदौर में उसके दर्शन किये सुमतिधाम के दर्शन कर गोम्मटगिरी पहुचे जहाँ दर्शन कर भक्ति कर पुनः धांमनोद के लिए निकले इस प्रतिनिधि मंडल में प्रभा प्रधान मीना प्रधान सोमा जैन सुरक्षा जैन मीना जैन उषा जैन पूर्णिमा जैन शोभा जैन सीमा मण्डलोई प्रमिला जैन अलका जैन प्रभा जैन थे भक्ति भावों से मंदिरों के दर्शन किये सभी अपने अपने घरों से भोजन लेकर गए व सामूहिक भोजन का आनंद लिया सभी महिलाएं केसरिया साड़ी पहनकर गई थी उक्त जानकारी मीना प्रधान व सुरक्षा जैन ने दी इस यात्रा में निमाड़ महिला मंडल की अध्यक्ष प्रभा प्रधान भी थी ।

हीट वेव में पक्षी की मौत ना हो इसलिए परिंडे लगाए

पंछियों के लिए नियमित दाना-पानी डालना चाहिए

सीकर. शाबाश इंडिया। गर्मियों में मनुष्य तो जैसे तैसे पानी की व्यवस्था कर लेता है, लेकिन बेजुबान पक्षियों को दाना पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।हीट वेव तथा पानी के कमी से गर्मी में कई पक्षियों की अकाल की मौत हो जाती है।इस भयंकर गर्मी में पानी की कमी के कारण किसी भी पक्षी की मौत न हो इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए चंद्रपुरा रोड पर आलोक काला जय कुमार छाबड़ा जुगल काला प्रियंक जैन माधव सिंह सांगलिया सिद्धार्थ गोविंदसिंह सांगलिया ने परिंडा बांधने का कार्य किया।प्रियंक जैन ने कहा कि पक्षियों के परिंडो में नियमित पानी डालने की जिम्मेदारी माधव सिंह सांगलिया सिद्धार्थ गोविंदसिंह सांगलिया ने ली और लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी बचा सकता है।पंछियों के लिए नियमित दाना-पानी डालना चाहिए।

वेद ज्ञान

चरित्र का प्रभाव

किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके रंग-रूप, धन-वैभव, कपड़ों और बड़ी-बड़ी कोठियों से नहीं होती हैं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी संपदा उसका चरित्र है। वह सोचता, बोलता और करता क्या है, इसके आधार पर उसके व्यक्तित्व को परखा जाता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि चरित्र के बजाय मनुष्य की महानता उसके कपड़ों से आंकी जाती तो महान लोगों की सूची सौ गुना बढ़ जाती। एक अन्य विचारक ने कहा था कि जब धन चला गया तो कुछ भी नहीं गया, जब स्वास्थ्य चला गया तो कुछ गया, जब चरित्र चला गया तो सब कुछ गया। चरित्र के बिना व्यक्ति का जीवन वैसा ही है, जैसे बिना रीढ़ की हड्डी के शरीर होता है। कोई भी बालक अच्छे या बुरे चरित्र के साथ पैदा नहीं होता। हां, वह अच्छी-बुरी परिस्थितियों में अवश्य पैदा होता है, जो उसके चरित्र-निर्माण में असर डालती हैं। कई बार एक घटना मनुष्य के जीवन को इतना प्रभावित कर देती है कि उसका चरित्र ही पलट जाता है। जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण ही बदल जाता है। निराशा का एक झोंका उसे निराशावादी बना देता है या अचानक आशातीत सहानुभूति उसे सदा के लिए परोपकारी बना देता है। हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है, जिसमें सुंदर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आंख देख पाती है। माता-पिता, शिक्षक और समाज किसी भी बालक को इसी प्रकार संवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियां प्रदान करता है, जबकि परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्ध करने के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि चरित्र निर्माण हो गया है तो बाकी निर्माण स्वतः ही हो जाएंगे। विचार ही चरित्र का निर्माण करते हैं। अच्छे चरित्र के लिए हमें उत्तम विचारों की जरूरत होती है। स्वामी विवेकानंद ने सावधान करते हुए कहा था, यदि आप बुरे कार्य करते हैं तो उसका दोष अपने बुरे चरित्र के मत्थे मढ़कर अपनी जिम्मेदारी से बचने की चेष्टा मत करना। ऐसा इसलिए, क्योंकि इतना तो हम सभी लोग समझ सकते हैं कि चूंकि हमारा चरित्र ही हमें अच्छा या बुरा कर्म करने के लिए अनुप्रेरित करता है इसलिए ऐसा कहते हुए बुरे कर्म करने के बाद उसका समस्त दोष चरित्र के मत्थे मढ़ देने की चेष्टा करना स्वयं को धोखा देना है।

संपादकीय

आठ मौत में से एक का कारण जीवाणु संक्रमण

हमारे जीवन में बहुत सारी बीमारियां स्वच्छता संबंधी आदतें न अपनाने और जीवाणु-रोधी उपायों पर गंभीरता से ध्यान न दे पाने की वजह से पैदा हो रही हैं। लांसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि अगर ठीक से संक्रमण रोकने संबंधी उपाय किए जाएं तो निम्न-मध्यम आय वाले देशों में करीब साढ़े सात लाख जान बचाई जा सकती है। इन उपायों में हाथों की सफाई, अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई, उपकरणों का

रोगाणुनाशन, पीने के लिए स्वच्छ जल मुहैया कराना, सही तरीके से साफ-सफाई रखना और बच्चों को सही समय पर टीके लगवाना शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं के अंतरराष्ट्रीय दल ने अनुमान लगाया कि हर वर्ष दुनियाभर में होने वाली हर आठ मौत में से एक का कारण जीवाणु संक्रमण होता है। अनुसंधानकर्ताओं ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध की स्थिति से प्रभावी तौर पर निपटने के लिए लोगों की एंटीबायोटिक तक आसान पहुंच मुहैया कराने का आह्वान किया है। अगर ऐसा न किया गया तो बच्चों को बचाने और उन्हें लंबे समय तक स्वास्थ्य रखने के संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मुश्किलें बनी रहेंगी। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को नियमित टीके लगाकर करीब 1.82 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह कोई कठिन काम नहीं है, मगर अफसोस कि एक बड़ी आबादी इन सुविधाओं से वंचित है। जिस तरह जलवायु परिवर्तन के खतरे बढ़ रहे हैं, उनका सबसे अधिक असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। नए-नए किस्म के जीवाणु पैदा हो रहे हैं और अगर समय रहते उन पर काबू न पाया जाए, तो वे जानलेवा साबित होते हैं। हालांकि अनेक संक्रामक रोगों पर काबू पाने के मकसद से गर्भवती महिलाओं और बच्चे के पैदा होने के बाद से ही टीके लगाए जाने शुरू हो जाते हैं। मगर इसमें भी बहुत सारे लोग अनजाने में या स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच न हो पाने के कारण लापरवाही बरतते देखे जाते हैं। पोलियो इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें वर्षों से पोलियो की खुराक दी जाने के बावजूद देश अभी तक पूरी तरह पोलियोमुक्त नहीं हो पाया है। मलेरिया, हेपेटाइटिस, जापानी बुखार जैसी बीमारियां जब-तब सिर उठा लेती और जानलेवा साबित होती हैं। इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि हमारे देश की एक बड़ी आबादी प्रदूषित वातावरण में रहने और काम करने को मजबूर है। एक बड़ी आबादी आज भी पीने के साफ पानी से महरूम है। ऐसे में संक्रामक बीमारियों पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। दूसरी बड़ी समस्या तमाम दावों और वादों के बावजूद सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को संतोषजनक न बनाया जा सकना है। इसलिए एंटीबायोटिक दवाओं की उपलब्धता सभी तक संभव नहीं हो पाती। महानगरों में फिर भी कुछ बेहतर स्थिति देखी जा सकती है, पर ग्रामीण इलाकों के बहुत सारे लोग स्वच्छता उपायों के मामले में वंचित ही देखे जाते हैं।

परिदृश्य

अपराध तो बालिग जैसा है

पूरे हिन्दुस्तान में चर्चा है कि यह कैसा कानून है जिसमें दो 24 वर्षीय युवाओं, इंजीनियर्स की 150-200 की स्पीड में करोड़ों की पोर्शे कार से रात में दो बाइक सवारों को फुटबॉल की तरह उड़ा देने पर 17 वर्ष 8 महीने के युवा को नाबालिग समझ कर, पुलिस स्टेशन से ही बेल देकर रिहा करने और 300 शब्दों में निबंध लिखने की सजा देकर क्लीन चिट दे दी। सवाल है क्या 17 वर्ष 8 महीने का लड़का बालिग है या नाबालिग? तो इसका जवाब जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 में किए गए संशोधन के अनुसार सेक्शन 18 में, 1- 9-2022 से यह बदलाव आया कि 16 वर्ष या उससे भी छोटा लड़का-लड़की यदि जघन्य अपराध करता जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड उसको कोर्ट में स्थानांतरित कर देगा, जहां वह एक बालिग की तरह ट्रायल के सम्मुख होगा। साथी ही 2 वर्ष या ज्यादा सजा वाले प्रावधान में सजा का अधिकारी होगा। सर्वोच्च न्यायालय के कई फैसलों के अनुसार मोटर व्हीकल एक्ट में अधिकतम सजा के प्रावधान भी वह जनरल आईपीसी में जघन्य अपराध की तरह सजा ही देगा कम नहीं। अब इससे जघन्य अपराध क्या हो सकता है? जनता का आक्रोश सही है मैंने कभी कहा था- कानून का सही पालन करने वालों के साथ, मेहनत करने वालों के साथ, बिना रसूख वालों, गरीब व्यक्तियों को कानून के अधिकारी, पुलिस, निचली अदालतें, अदक्ष वकीलों के ज्ञान और कर्तव्य के प्रति असम्मान होने के कारण ही यहां का कॉमन आदमी जो निर्दोष है वह जेलों में है। आजादी के बाद से ही, पुराने ब्रिटिश कानून की प्रक्रिया को अपना लिया गया है जो आज भी व्यवहार में आ रहा है। जैसे कानून को चलाने वाले उसी युग के कर्ताधर्ता हैं, जिनका काम निर्दोष पर अन्याय करना है। कानून बदले पर कानून के ज्ञान रखने वाले, रूल करने वाले उसका संशोधन भी नहीं पढ़ते। गलत आर्डर देते रहते हैं यह संशोधन सितम्बर 2022 का है। किसी ने इसे पढ़ा क्यों नहीं? पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इसे नाबालिग किस आधार पर ट्रीट किया। क्या वह भी अरबपति पिता, दादा के प्रति डर था कि जिसका संबंध छोटा राजन से था। नाबालिग को 300 शब्दों का निबंध लिख, बेल पर जाने क्यों दिया? जुवेनाइल जस्टिस एक्ट बोर्ड ने क्यों नहीं अभी ही यह निर्णय दिया कि वह 16 से ऊपर का है। 16 से नीचे भी होता तो उसे गंभीर अपराध के आधार पर रेगुलर कोर्ट को रेफर किया जाता जहां उसे वर्षों तक बेल नहीं होती और आजीवन कैद मिलती। उसे रिमांड होम क्यों भेजा, फैसला 5 जून तक क्यों टाल दिया? क्या वह लड़का जो कानूनन बालिग है, रिमांड होम में चंद दिनों में सुधर जाएगा, एक संत होकर निकलेगा, उसके अभिमान भरे क्रिमिनल माइंड में बदलाव आएगा? यह जस्टिस बोर्ड के हसीन सपनों के सिवा कुछ नहीं है। क्यों हम भी यह नहीं सोचे कि वह पढ़ता नहीं, इस पद के बुलाए अयोग्य अपराधी के रसूख से प्रभावित है? इस देश का जस्टिस सिस्टम को तीन लेयर का बनाया गया- पहले ट्रायल कोर्ट, फिर हाईकोर्ट, उसके बाद अंतिम सुप्रीम कोर्ट यह कई लेयर सिस्टम है। पहले लेयर पर पुलिस है- वह कानून नहीं जानती, जानने पर भी लागू नहीं करती, मनमाने तरीके से निर्णय लेकर काम करती है। खुद मैने, अपनी गाड़ी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराने पुलिस स्टेशन पहुंची तो जब तक मैने अपना परिचय नहीं दिया तो एक घंटे तक कम्पलेन नहीं लिया गया।

अपछ पहल थिएटर एण्ड पर्सनल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप सीजन-2 में किया जाएगा 500 बच्चों द्वारा समाधिस्थ संतशिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का गुणानुवाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में श्रेष्ठी नंदकिशोर, प्रमोद पहाड़िया के सहयोग से ARL"पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप सीजन-2 का आयोजन अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा 1 जून से 25 जून तक किया जायेगा जिसमे सात वर्ष से बीस वर्ष आयु वर्ग के लगभग पांच सौ बच्चों को सिखाया जाएगा समन्वय, सामन्जस्य, संस्कार, भाव अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व विकास, एकाग्रता, सहनशीलता,आर्ट एन्ड क्राफ्ट, ड्रॉइंग एन्ड पैंटींग,डांस इन सभी विषयों का प्रशिक्षण जवाहर कला केंद्र, रविन्द्र मंच से जुड़े तीस प्रशिक्षिकों द्वारा जयपुर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी दुगार्पुरा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंगल विहार, अनुप्रिया बुटिक महेश नगर, श्री दिगम्बर जैन मंदिर जय जवान कॉलोनी,श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर,श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान सांगानेर, श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय बापू नगर, श्री दिगम्बर जैन मंदिरयतीयशोदानन्द जी, चौड़ा रास्ता, गोपी बंगलों नम्बर 78,सिविल लाइन्स में किया जायेगा। कार्यशाला से जुड़ी मुख्य समन्वयक श्रीमती शीला डोडिया ने बताया कि इतने वृहद स्तर पर जैन समाज मे दूसरी बार इस तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसमे बच्चों के साथ-साथ उनके माता पिता भी उत्साह दिखा रहे है, इस तरह की वर्कशॉप का आयोजन आज के बदलते दौर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत जरूरी है। इसी को देखते हुए अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा अजय जैन मोहनबाड़ी ने इस ओर कदम बढ़ाते हुए एक पहल की। इस कार्यशाला के माध्यम से सम्पूर्ण भारत देश मे पहली बार पाँच सौ बच्चों द्वारा समाधिस्थ संतशिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का गुणानुवाद किया जाएगा। कार्यशाला से जुड़ी समन्वयक श्रीमती डॉ. वंदना जैन एवं श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने कहा की इस वर्ष कार्यशाला में बच्चों को आचार्य भगवन के संस्मरणों पर आधारित अनेक नाटकों व उनके प्रकल्पों पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियां एवं बच्चों द्वारा आचार्य श्री की पैंटिंग व आर्ट एण्ड क्राफ्ट तैयार कराये जायेंगे जिससे हमारे बच्चें आचार्य श्री के जीवन उनके त्याग,तपस्या, प्रकल्प व परोपकार को भी समझ पायेंगे। पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप सीजन-2 के निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया कि ये सिर्फ समर कैम्प ही नहीं है इस कार्यशाला में बच्चों को सामाजिक संस्कार भी दिए दिए जाएंगे साथ ही बच्चों को प्रतिदिन आचार्य श्री के संस्मरण सुनाए जायेंगे जिस पर बच्चें स्वयं ही नाटक तैयार करेंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य यही है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ साथ सही मार्गदर्शन देते हुए बच्चों को एक प्लेटफार्म तक पहुँचाया जाए ओर उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखार कर सामने लाया जाए। कार्यशाला का समापन महावीर स्कूल के मुख्य सभागार में तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया जाएगा जिसमे अलग अलग ग्रुप द्वारा आचार्य श्री के संस्मरणों पर बच्चों द्वारा नाटक व डांस की प्रस्तुतियां होगी व बच्चों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्रॉइंग एन्ड पैंटिंग की प्रर्दशनी जवाहर कला केंद्र में लगाई जाएगी। **संपर्क करे : अजय जैन मोहनबाड़ी (कार्यशाला निर्देशक) मोबाइल 7615060671**

जीवदया कार्यक्रम में लगाये परिण्डे

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर एवं जैन सोश्यल ग्रुप सिद्धा, जयपुर के सयुंक्त तत्वावधान में आओ हम सब मिलकर करे सेवा के तहत पक्षियों के लिए परिण्डा एवं चुग्गा वितरण का कार्यक्रम किया गया। जैन सोशयल ग्रुप सिद्धा के संस्थापक अध्यक्ष धीरज सीमा पाटनी ने बताया कि शनिवार, दिनांक 25 मई, 2024 प्रातः 8:30 बजे झोटवाडा के कारगिल शहीद मंगेज सिंह (वीर चक्र) पार्क में यह आयोजन किया गया। इस मौके पर दिनेश काला, अंजन जैन, आकांक्षा जैन, वीरेंद्र काला, मुकेश दोषी, राकेश रावका ,सुगन रंजीता पापडीवाल कमल गंगवाल नीरज पाटनी अभिषेक जैन जितेंद्र हेमा जैन ऋषि जैन और साथ ही राजस्थान जैन युवा महासभा एवं सिद्धा परिवार के पदाधिकारी एवं सदस्यगण इस जीव दया के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर जीव दया में सहायक बने।

रक्त परीक्षण शिविर आयोजित

राघोगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन समाज राघौगढ़ एवं जैन मिलन परिवार राघौगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में रक्त परीक्षण शिविर का दो दिवसीय आयोजन दिनांक 25 एवं 26 में को विद्यासागर भवन में किया जा रहा है। इस रक्त परीक्षण शिविर में डॉक्टर लाल पैथ लैब्स ग्रुप का सहयोग रहा है ।शिविर का भविष्य शुभारंभ जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीव प्रचलन से हुआ। दीप प्रज्वलन भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने किया। सभी का स्वागत जैन मिलन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन एवं मंत्री विकास कुमार जैन ने किया शाखा मंत्री विकास कुमार जैन ने बताया दो दिवसीय शिविर में महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण निशुल्क किया जा रहा है। पुरुषों का डायबिटीज परीक्षण कोलेस्ट्रॉल परीक्षण एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण मात्र 10 रुपए प्रत्येक में किया जा रहा है। रक्त की अन्य जांचों के लिए भी न्यूनतम शुल्क निर्धारित किया गया है। दिनांक 25 में को कुल 85 लोगों के रक्त को संग्रहित कर परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह शिविर प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 12:00 तक आयोजित किया गया है। जांच रिपोर्ट सभी को दोपहर बाद उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराई जाएगी । डा लाल पैथ लैब्स ग्रुप के लोकेन्द्र सक्सैना, शिवानी श्रीवास्तव, मीनल एवं शुभम ने रक्त संग्रह कर परीक्षण हेतु भेजने सेवा में प्रदान की। इस अवसर पर जैन समाज राघोगढ़ के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन, जैन मिलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुभाष चंद्र चौधरी, पूर्व पार्षद संजीव कुमार जैन, जैन मिलन के वरिष्ठ सदस्य अनिल कुमार जैन बलियत, मुकेश कुमार जैन अन्ना, विनय कुमार जैन बिल्डिंग मटेरियल, युवा जैन मिलन के हर्ष जैन, जैन समाज ट्रस्ट कमेटी के सदस्य संतोष कुमार जैन, संजय कुमार जैन गावरी वाले, विजय कुमार रावत, अंशुल जैन, राजीव जैन नानू, अरिहंत जैन, अतीत जैन, संस्कार जैन, राजेश जैन चौधरी भोला,महिला जैन मिलन की संरक्षिका वीरांगना विजय देवी जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना कुशल जैन, वीरांगना अरुणा जैन, वीरांगना सविता जैन आदि उपस्थित थे।

दीक्षार्थी माँ सुशीला एवं बेटी ब्र संध्या की गोद भराई का भव्य आयोजन

वागड़ के चितरी गांव से हैं दोनों...

चितरी,बागड़. शाबाश इंडिया। वैराग्य की कोई उम्र नहीं होती, यह किसी भी उम्र या परिस्थिति में हो सकता हैं. चित्तरी गांव की माँ और बेटी में सन्यास के ऐसे भाव उमड़े की दोनों ने एक साथ ही आर्यिका दीक्षा लेने का निश्चय कर लिया, माँ सुशीला ने बचपन से ही बेटी को धार्मिक संस्कार दिए साथ ही स्नातक तक लौकिक शिक्षा भी पूर्ण कराई, बेटी ने अध्यापिका की सरकारी नौकरी छोड़ कर संयम के मार्ग को चुना साथ ही अपनी माँ को भी इस मार्ग के लिए प्रेरित किया। समाज के प्रवक्ता अशोक कोठिया ने बताया की मुनिसुव्रत नाथ मंदिर परिसर में दोनों दीक्षार्थी माँ -बेटी की गोद भराई की रस्म मुनिसुव्रत नाथ महिला मण्डल द्वारा की गयी। इस अवसर पर मंगलाचारण माही जैन द्वारा किया गया। आर्यिका 105 सम्मेद शिखर मति माताजी ने दीक्षार्थी बहनो को आशीर्वाद दिया, ब्र संध्या ने अपने उद्बोधन में कंहा की इस धरा का, इस धरा पर सब धरा रह जायेगा.... इस बात से प्रेरित होकर दीक्षा के भाव जगे । इस अवसर पर महिला मण्डल की मौसम शाह, सरिता कोठिया, माया जैन,प्रीति नायक, कल्पना वखरिया, उषा वोरा, किरण शाह आदि ने ब्राम्हचारिणी दीदी एवं डॉ रागिनी शाह का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा गोद भराई करवाई. इस अवसर पर समाज के पंकज वगैरिया, महावीर मोरिया, धनेन्द्र सेठ, महिपाल सारागिया, महेन्द्र वोरा, राजेंद्र वोरा, महेन्द्र सेठ, हितेन जैन आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन अशोक कोठिया ने किया। उल्लेखनीय हैं की दोनों की दीक्षा 19जुलाई को कोल्हापुर में आचार्य सुयश गुप्त महाराज के हाथो संपन्न होंगी।

मुरलीपुरा जैन मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दि. जैन मंदिर मुरलीपुरा में सांय काल चल रहे श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का अवलोकन करने हेतु श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल एवं उनकी टीम सदस्य पधारीं। मंदिर कार्यकारिणी, श्री महावीर महिला मंडल मुरलीपुरा एवं श्री महावीर पाठशाला मुरलीपुरा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों का माला पहनाकर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। महासमिति से पधारी सभी अतिथिगण ने शिविर को देख कर काफी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रथम भाग एवं द्वितीय भाग की कक्षा में पढ़ रहे बच्चो से प्रश्न भी पूछें गये,बच्चो के द्वारा दिए गए त्वरित उत्तर देने से सभी बहुत आनंदित हुए। महिलाओं एवं पुरुषों की छः ढाला की क्लास विदुषी डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा ली जा रही है। छः ढाला क्लास में 30झ35 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। मुरलीपुरा शिविर में प्रथम भाग में 20 एवं द्वितीय भाग में 16 बच्चे पढ़ रहे हैं। इस दौरान श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने अपने उद्बोधन में शिविर के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया, कहा कि इसके माध्यम से बच्चो में अच्छे संस्कार की नींव मजबूत हो रही है। साथ ही उन्होंने 1 जून को बिरला सभागार में होने वाले भव्य समापन कार्यक्रम में सभी आमंत्रित किया। अंत में महामंत्री नीरज जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर एवं

अ. भा. श्रमण संस्कृति महिला महासमिति, सांगानेर

के संयुक्त तत्वावधान में

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के उत्कृष्ट त्याग-तपस्या को समर्पित

उपकार महोत्सव के रूप में आयोजित

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का

भव्य समापन समारोह

पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

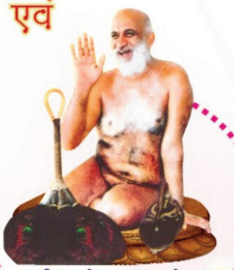
पू. मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

शनिवार, दिनांक 01 जून 2024. सायं 7:00 बजे. बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल, जयपुर

धर्मानुरागी महानुभाव

पूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज एवं पूज्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के शुभाशीष एवं सम्प्रेरणा से श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा समाधिस्थ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की त्याग तपस्या को समर्पित गुरु उपकार महोत्सव के अन्तर्गत बृहद् स्तर पर राज्य की राजधानी क्षेत्र के अर्द्धशताधिक मन्दिरों में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर (15 मई से 25 मई 2024) का सामूहिक समापन समारोह आयोजित किया जा रहा है। कृपया सपरिवार पधारकर ज्ञानावरण कर्म क्षयोपशम के साथ पुण्यार्जन कर हमें अनुगृहीत करें।

निवेदक-: समस्त प्रबन्धकारिणी समिति, श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.)

संयोजक-: श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं जयपुर कैपीटल

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर थाना में आशीर्वाद वृद्धाश्रम की ओर से जल मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य किया गया। जिससे गर्मी के मौसम में सभी को शीतल जल सुलभता से मिल सकेगा। इस अवसर पर थाना एस एच ओ मुनेंद्र सिंह,व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र पटेल, भाजपा मंडल महामंत्री मुकेश पटेल, रामस्वरूप और प्रभास एवँ अन्य गणमान्य व्यक्तियों का संस्था के अध्यक्ष धीरज, संरक्षक मुकेश अरोड़ा एवँ वृद्ध आश्रम के बुजुर्गों ने शाल पहना कर और तुलसी जी का गमला भेंट कर स्वागत किया।कार्यक्रम के समापन पर एस एच ओ मुनेंद्र सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

कवियत्री, लेखिका, मृदुभाषी, मां

26 मई

श्रीमती ज्योति छाबड़ा

धर्मपत्नी श्री संजय छाबड़ा के जन्मदिन के अवसर पर

बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अदिति- मोहित कासलीवाल हैदराबाद

अनिरुद्ध- प्रज्ञा छाबड़ा

समस्त मित्रगण एवं परिवारजन

फर्म: ऋषभ प्लाईवुड एंड लैमिनेट्स, जगतपुरा

राजाबाजार जैन मंदिर में काले का सत्कार

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में आयोजित समारोह में सर्वोत्तम संवाद तथा वक्तृत्व कौशल का प्रथम पुरस्कार नाशिक निवासी यश सुमेर कुमार काले (आईएफएस) को प्रदान किया। इसके लिए बुधवार को राजाबाजार स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर, पंचायत कचनेर क्षेत्र, जटवाड़ा क्षेत्र, गुरु परिवार पुलक मंच, पीयू विद्यालय आदि की ओर से यश काले को शाल, नारियल, पुष्प देकर ललित पाटनी, सचिव अशोक अजमेरा, उपाध्यक्ष विनोद लोहाडे नरेंद्र अजमेरा रमेश पाटनी , आदित्य सोनी, कैलाश पाटनी, डॉ आर सी बड़जात्या एम आर बड़जात्या, किरण पहाडे, मानिकचंद गंगवाल, अमोल पाटनी, महावीर पाटनी मानिकचंद पांडे, दीपक पहाडे, राजाभाऊ पहाडे, अशोक गंगवाल, भरत ठोले , पियुष कासलीवाल आदि ने सत्कार किया। संचालन सचिव अशोक अजमेरा ने किया। वह राज्यकर आयुक्त व न्यायाधिकरण सदस्य सुमेर काले व महामंत्र गजपंथा सिद्धक्षेत्र सुवर्णा काले के पुत्र हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

गो सेवा कर ट्रैक्टर भेंट किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री मद भागवत प्रभात फेरी परिवार द्वारा 16 वें वार्षिकोत्सव के तहत मनाये जा रहे 9 दिवसीय सेवा कार्यक्रमों के अंतर्गत आज प्रभात फेरी परिवार द्वारा मसुदा रोड , श्री तिजारती चेंबर गो शाला प्रबंधन संस्थान को एक समारोह में ट्रैक्टर भेंट किया, समारोह मसूदा रोड गोपाल गो शाला में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि ब्यावर के तहसीलदार लाला राम व गो शाला अध्यक्ष संजय घीया थे। प्रभात फेरी के सदस्यों ने प्रातः 6.30 बजे गो शाला पहुँच गो माता को हरे चारे, सूखे चारे, खल, कुट्टी, गुड इत्यादि का भोग लगाया, गो शाला की खेलियों को साफ कर उसमे पानी भरा। गो शाला के दैनिक कार्यों जैसे की चारा लाना, गोबर बाहर खेत में पहुँचाना व अन्य कार्यों को संपादित करने की गो शाला की मुख्य जरूरत को पूरा करने हेतु श्री मद भागवत (प्रभात फेरी) परिवार ने परिवार के संरक्षक ओम प्रकाश घीया के सानिध्य में एक ट्रैक्टर तहसीलदार लाला राम व गो शाला अध्यक्ष संजय घीया, मंत्री लक्ष्मी चंद भंडारी, सदस्य मदन मोहन मोदी, रिखब चंद डाँगी व गो शाला मैनेजर राजेश शर्मा, लादुराम शर्मा व गो शाला कर्मचारियों को सौंपा ,कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिवार के सदस्य गण , गो सेवक व शहर के गणमान्य व्यक्ति मोजूद रहे ।तहसीलदार द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु भागवत परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया गया, गो सेवकों की टीम द्वारा तहसीलदार लाला राम व गो शाला अध्यक्ष संजय घीया का माला पहना व मेमोंटो भेंट कर स्वागत किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन सतीश गर्ग ने किया। ट्रैक्टर ट्रॉली गो शाला में पा कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी महसूस कि गई। परिवार द्वारा की जा रही सेवा में शनिवार को सुभाष सर्किल, अजमेरी गेट पर शाम 4.30 बजे से शहर वसियों को इस भीषण गर्मी से राहत दिलाने हेतू केरी पानी वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में सेवा देने की अपील भागवत परिवार द्वारा की गई है। भागवत परिवार की स्थापना को आज ही 16 वर्ष पूर्ण हुए।

सम्यकज्ञान शिक्षण शिविर एवं मूकमाटी अर्थ ज्ञान शिक्षण शिविर का हुआ समापन

परीक्षा परिणाम के साथ पुरस्कार वितरण समारोह हुआ संपन्न

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। विगत 9 दिनों से रामगंजमंडी नगर में ज्ञान की गंगा बही। 17 मई 2024 से शुरू हुए शिक्षण शिविर मे नगर के 300 से अधिक व्यक्तियों ने मूक माटी महाकाव्य, स्वयंभू स्त्रोत्र, छहढाला, भक्तामर स्त्रोत एवं बाल वर्ग में बच्चों ने बाल बोध 1 बाल बोध 2 के द्वारा नैतिक शिक्षा के साथ धार्मिक अध्यन किया। इसी क्रम में बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट भी सिखाया गया। शिविर का निर्देशन नगर के गौरव प्रशांत जैन आचार्य, आकाश जैन आचार्य ने किया श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से आए विनोद जैन आचार्य, हेमंत जैन आचार्य,ने सभी को ज्ञान अर्जन कराया। अध्ययन कराने के उपरांत 24 मई को विभिन्न वर्गों की परीक्षा हुई। 25 मई को समापन समारोह आयोजित किया गया एवं परिणाम घोषित किया गया जिसमें मूकमाटी महाकाव्य की परीक्षा में प्रथम श्रीमती वंदना बाबरिया, द्वितीय श्रीमती विवेका जैन दुगेरिया, तृतीय श्रीमती मनीष गर्ग रही, इसी के साथ भक्तामर स्तोत्र की हुई परीक्षा में प्रथम नियति जैन, द्वितीय हर्षिता जैन, तृतीय गविक जैन, छहढाला में प्रथम रक्षित जैन, द्वितीय आरव जैन, तृतीय सुहानी जैन रही, बालबोध भाग 1 में प्रथम मोली जैन, द्वितीय मीठी जैन, तृतीय विधि जैन, बालबोध भाग 2 में प्रथम निक्षय जैन, द्वितीय भवि जैन जयपुर निवासी तृतीय आरवी जैन रही। इन सभी को समापन समारोह की बेला में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पुरस्कृत किया गया इसी के साथ सभी बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया साथ ही इस शिविर को सफल बनाने में अमूल्य योगदान देने वालों को भी माला पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया। इसी के साथ शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अध्यक्ष दिलीप विनायका , उपाध्यक्ष चेतन बागड़िया, एवं शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर महामंत्री राजकुमार गंगवाल, महावीर दिगंबर जैन मंदिर महामंत्री पदम सुरलाया, अजीत कुमार सेठी आदि के द्वारा पधारे हुए विद्वान विनोद जैन आचार्य, हेमंत जैन आचार्य, मनोज जैन आचार्य, रामगंज मंडी नगर के गौरव प्रशांत जैन आचार्य, आकाश जैन आचार्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका सभी का आभार जताया इस बेला में पधारे हुए विद्वानों ने भी रामगंज मंडी नगर की भक्ति की जमकर सराहना की एवं नगर गौरव विद्वान भैया लोगों की भी जमकर तारीफ की और कहा कि यह रामगंज मंडी का गौरव है इन्हें हाथ से जाने ना दें। रामगंज मंडी नगर के सिद्धार्थ जैन बाबरिया ने भी प्रशांत आचार्य की शिविर में भूमिका पर प्रकाश डाला और व्यवस्थापक समिति का आभार प्रकट किया। **अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

नौतपा होना भी जरूरी है ...

भीषण गर्मी के बीच 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। मान्यता के अनुसार, नौतपा के नौ दिनों में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष विधान है। इस अवधि के नौ दिन साल भर के सबसे गर्म माने जाते हैं। नौतपा अगर न तपे तो क्या होता है? इस संबंध में लोकसंस्कृतिविद दीपसिंह भाटी बताते हैं कि लू तो बेहद जरूरी है। मैं प्रश्न करता हूँ, ''क्यों'' तो वे जवाब देते हैं- दो मूसा, दो कातरा, दो तीड़ी, दो ताय। दो की बादी जळ हरै, दो विश्वर दो वाय नौतपा के पहले दो दिन लू न चली तो चूहे बहुत हो जाएंगे। अगले दो दिन न चली तो कातरा (फसल को नुकसान पहुंचाने वाला कीट)। तीसरे दिन से दो दिन लू नहीं चली तो टिड्डियों के अंडे नष्ट नहीं होंगे। चौथे दिन से दो दिन नहीं तपा तो बुखार लाने वाले जीवाणु नहीं मरेंगे। इसके बाद दो दिन लू नहीं चली तो विश्वर यानी सांप-बिच्छू नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। आखिरी दो दिन भी नहीं चली तो आंधियां अधिक चलेंगी। फसलें चौपट कर देंगी।

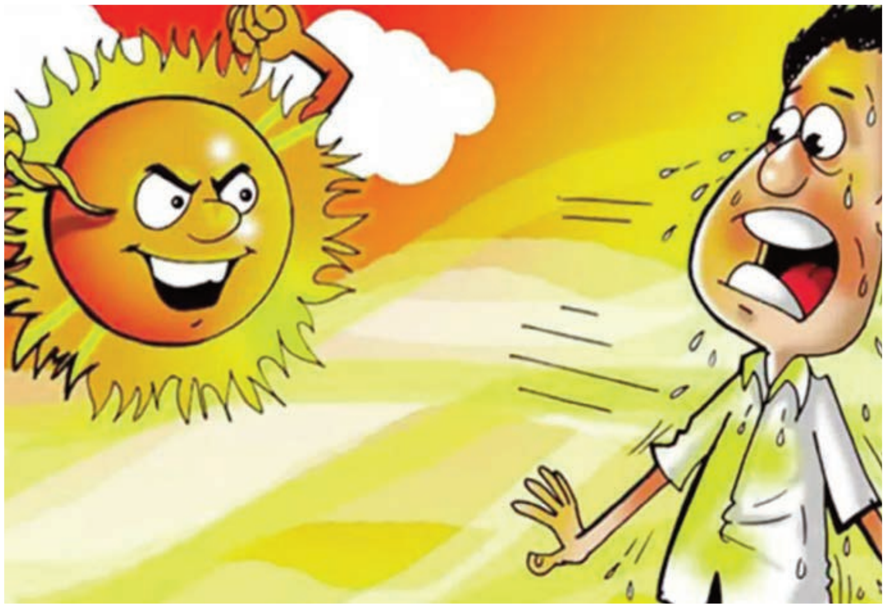

गुरु के प्रति समर्पण की जरूरत : डॉ .सुमनानंद गिरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

रामकथा सुनाते हुए मौन तीर्थ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरी जी महाराज, उज्जैन वाले ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने 7 श्लोक ही क्यों लिखे, मानस मे 7 कांड ही क्यों है क्योंकि तुलसीदास जी ने कहा है,सप्ताह मे सात दिन होते है, आप जब चाहे मानस की शुरूआत कर सकते है या यों कहे कि राशि के अनुसार भगवान राम की राशि भी राशि चक्र के अनुसार 7 वीं राशि है,जिसका आचरण ठीक है। उसके चरण पूजनीय है। ये विचार महामंडलेश्वर डॉ.सुमनानंद गिरी महाराज ने शनिवार को अभिनव ज्ञानामृत चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तलें श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर आचार्य नर्मदा शंकर पुरी जी महाराज,निरंजनी अखाड़ा की प्रेरणा से श्रीश्री 1008 रामषरण दास जी महाराज व कौषल्या दास जी महाराज के पावन सानिध्य में जयपुर के सानिध्यं में रेलवे स्टेशन रोड,राम मंदिर के पास कौशल्या दास जी की बगीची में चल रही राम कथा के दूसरे दिन कहे। उन्होंने आगे कहा कि गुरुदेव के चरणों का सदा आश्रय लेना चाहिए। गुरु शिष्य परंपरा का पालन शास्त्रीय विधान के अनुरुप पालन करना चाहिए।संसार में गुरु ही ऐसे है जो अपने ज्ञान व उपदेष के माध्यम से हरि से मिलने का मार्ग बताते है,इसलिए गुरु के बताए मार्ग का अनुषरण कर अपने जीवन का सफल बनाना चाहिए। इसलिए कहा भी कहा गया है ह्यद्य बंदउं गुरु पद पदुम परागा।सुरुची सुबास सरस

अनुरागा...जैसी चौपाइयों के माध्यम से गुरु महिमा का बखान किया। महाराजश्री ने आज रामचरित्र मानस के आधार पर गुरु महिमा के सुंदर स्वरूप का वर्णन किया। महाराज जी ने `गुरू बिन भवनिधि तरहिं न कोई। जौं बिरंचि संकर सम होई पर प्रवचन क्रते हुए कहा कि भले ही कोई भगवान शंकर या ब्रह्मा जी के समान ही क्यों न हो किन्तु गुरु के बिना भवसागर नहीं तर सकता। और भी कईं प्रसंगों के माध्यम से तुलसीदासजी ने गुरु महिमा का वर्णन अपनी रचनाओं में किया हैं। गुरु की महिमा को स्वीकार करने वालों के लिए शब्दों की नहीं भाव की प्रधानता होती है।गुरु के प्रति समर्पण की जरुरत होती है। गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज ने श्रीराम कथा के माध्यम से मानव जीवन संबंधों की महत्ता स्थापित की है।यही वजह है कि श्रीरामचरित मानस में गुरु, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई, मित्र, पति-पत्नी आदि का कर्तव्य बोध एवं सदाचरण की सीख हमें सर्वत्र मिलती है।कथा में उन्होंने बताया कि भक्ति मार्ग में सुख शांति का प्रभा है, जहां आनंद की शीतल छाया मिलती है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में श्रद्धा को भवानी और विश्वास को शंकर का प्रतिरूप मानते हुए दोनों की समवेत वंदना की है। कहा कि परमात्मा से जुड़ने के लिए श्रद्धा और विश्वास ही तो साधन बनता है। कथा की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब इसे हम दैनिक जीवन के व्यवहार में शामिल करते हैं। राम कथा सुनने से मन का शुद्धिकरण होता है। इससे संशय दूर होता है और मन में शांति व मुक्ति मिलती है। भगवान राम का प्रिय भक्त बनना है तो हनुमान के चरित्र से सीख लेनी होगी।रामायण एक महाकाव्य ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है. इससे मनुष्य को जीने की कला का ज्ञान होता है.कुशेश्वरस्थान पूर्वी. रामायण एक महाकाव्य ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है। उन्होंने बागे कहा कि. भगवान श्रीराम की कथा केवल सुनना नहीं, बल्कि जीवन में धारण करना चाहिए. रामकथा जीवन में उतारने पर ही धर्म, देश व सनातन की रक्षा कर सकेगें. साथ ही आने वाली युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन दे सकेगें। उन्होंने कहा कि लोगों को भगवान श्रीराम से माता-पिता की सेवा, भाई से प्रेम, निषाद प्रेम, सबरी के नवधा भक्ति तथा जटायु से पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम की सीख लेनी चाहिए।मनुष्य को झूठ का सहारा लेकर कभी भी लोगों को दिगभ्रमित नहीं करना चाहिए. झूठ बोलने वालों को भगवान भी माफ नहीं करते. एक दिन सभी को मिट्टी में मिल जाना है. इसलिए छल-प्रपंच को त्यागकर पीड़ित मानव का सेवा करने से ही मनुष्य हमेशा खुश रह सकता है।

आचार्य विद्यासागर के जयकारों के साथ रवाना हुआ अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को जयपुर

चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट करने हेतु 51 सदस्यीय श्रद्धालुओं का दल

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के सुयोग्य शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के जयपुर में चातुर्मास करने हेतु निवेदन करने के लिए सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर के बैनर तले 51 सदस्यीय दल खजुराहो के लिए रवाना हुआ। दल भगवान आदिनाथ एवं आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के जयकारों के साथ अग्रवाल फार्म स्थित मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन से शनिवार, 25 मई को सायंकाल 6 बजे रवाना हुआ।इस दल में राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा , राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ,श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति के मंत्री राजेन्द्र सेठी, दिगम्बर जैन महासमिति मानसरोवर सम्भाग के महामंत्री सोभाग मल जैन, वरुण पथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष एम पी जैन,मांग्यावास के पूर्व अध्यक्ष जय प्रकाश जैन, मैत्री समूह के पदाधिकारी इन्द्र कुमार जैन, चूलगिरी मण्डल के विजय

सोगानी,नरेन्द्र जैन, समाजश्रेष्ठी पदम चन्द बिलाला, आदिनाथ महिला जागृति समिति की मंत्री रश्मि सांगानेरिया ,एडवोकेट अभिषेक सांघी, शांति काला, राजेन्द्र जैन सहित दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन, श्री वीर सेवक मण्डल, श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, मानसरोवर सम्भाग के मंदिरों के पदाधिकारियों सहित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी, कई मुनि भक्त एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल थे ।दल में शामिल सभी श्रद्धालुओं को श्री धर्म जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला, संजय बडजात्या कामां,जम्बू सोगानी, अशोक सेठी,अरुण जैन, लोकेश जैन, पंकज लुहाडिया आदि ने माला पहनाकर रवाना किया।

नेट थिएट पर शास्त्रीय संगीत के रंग जमे

जा जा रे अपने मंदिर वा जा, सुन पावेगी मोरी सांस ननंदिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज युवा शास्त्रीय कलाकार मुज्म्मिल अली ने राग भीम पलासी में जा जा रे अपने मंदिर वा जा, सुन पावेगी मोरी सांस ननंदिया को धुरुप्त लय में बड़े सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों की दाद पाई। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार मुजम्मिल अली ने शास्त्रीय संगीत की तालीम उस्ताद बुंदू खां और सूफी गायन अपने दादा उस्ताद हाजी टिम्मू गुलफाम और अपने पिता मुस्तफा अली से ली ।इन्होंने अपने गायन की शुरूआत राग जौनपुरी में एक बंदिश पायल की झंकार बेरनिया झन-झन बाजे ऐसी मोरी को द्रुत लय में प्रस्तुत कर अपनी गायकी का परिचय दिया ' इसके बाद राग मियां मल्हार में फूल रही सरसों सकल बन, अंबा मोरे गेसू फुटे, गौरी करत सिंगार, मलानिया गरबा लगाया बरसों फूल रही सरसों सुना कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इनके साथ तबले पर आसिफ हुसैन ने अपनी संगत से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा जीवितेश, सागर और नोनू की रही।

जैन मिलन के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बने नरेश जैन

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। जैन मिलन परिवार अशोकनगर ने किया स्वागत ।समाज सेवी संस्था भारतीय जैन मिलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी मे पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर के संस्थापक अध्यक्ष अतिवीर नरेश जैन को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बनाये जाने पर नगर की विभिन्न जैन मिलन शाखाओं ने स्वागत अभिनन्दन कर सेवा पथ पर अग्रसर बने रहने के लिए शुभकामनाएं दी। जैन मिलन सेंट्रल शाखा की ओर से संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची के प्रतिष्ठान पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया पार्श्व जैन मिलन परिवार अशोकनगर के सदस्यों ने जैन के निवास पर पहुंच कर मिठाईयां लिखाते हुऐ फूल-मालाएं पहनाई श्री जैन जैन मिलन क्षेत्र 12 मे विभिन्न पदो पर रहते हुऐ सेवा पथ पर अग्रसर है पिछले सत्र मे राष्ट्रीय स्तर पर वीर आफ दा ईयर से सम्मानित हुए थे।

दुर्गापुरा जैन मंदिर में किया शिविर का अवलोकन

46 दिगम्बर जैन मंदिरों में चल रहे ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों में बह रही ज्ञान की गंगा, 8 विद्वान, 69 विदुषियां एवं 184 स्थानीय प्रेरक करवा रहे धार्मिक शिक्षण कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों में धार्मिक शिक्षा के साथ जीवन के नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को दुर्गापुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मंदिर कमेटी एवं त्रिशला संभाग दुर्गापुरा के तत्वावधान में चल रहे शिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने उपस्थित होकर शिविर का अवलोकन कर सभी शिविरार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर राजेन्द्र काला,जय कुमार जैन, भाग चंद पाटनी, चंदा सेठी, रेणू पाण्डया, संयोजक रेखा पाटनी ऋतु चांदवाड, विमला पाण्डया, संगीता काला अमिता अजमेरा, रिंकू सेठी आदि ने दोनों अतिथियो का तिलक माल्यार्पण कर भावभीना स्वागत-सत्कार किया। इस मौके पर प्रदीप जैन एवं विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण के लिए इन शिक्षण शिविरों को बहुउपयोगी बताया । दुर्गापुरा के शिविर में सहभागिता निभा रहे 200 शिविरार्थियों में सबसे छोटा बालक 4 वर्ष का तथा सबसे बडी महिला 80 वर्ष की धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं ।सभी शिविरार्थियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।

16 दिवसीय शांतिनाथ मण्डल विधान विश्व शांति महायज्ञ के साथ सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर में आर्यिका श्रुतमति सुबोध मति व विशेष मति माताजी संध के सानिध्य में 16 दिवसीय शांतिनाथ मण्डल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ सम्पन्न किया गया जिसमें सेंकड़ों श्रद्धालुओं ने हवन कुण्डो में आहुतियां दी विश्व शांति महायज्ञ में प्रथम कुण्ड पर रमेश चंद सोनू जैन संजू जैन ललवाडी.गोपाल जैन शंभू कठमाणा एवं द्वितीय कुण्ड पर सुरेश कुमार धर्मचंद बड़ागांव एवं तृतीय कुण्ड पर धर्म चंद दिनेश कुमार चंवरिया को हवन कुण्डो में आहुतियां देने का सोभाग्य प्राप्त हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि 16 दिवसीय विधान कार्यक्रम में पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री एवं अशोक भाणजा के निर्देशन में विधान के अन्तिम दिन शांति मण्डल विधान की पूजा अर्चना की। जिसमें गुरु माता श्रुतमति सुबोध मति एवं विशेष मति माताजी के सानिध्य में पांच मंगल कलश की स्थापना हुई। विधान में सभी सोधर्म इन्द्र परिवार एवं सभी इन्द्र इन्द्राणियां भगवान शांतिनाथ जी का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा करके अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना की। जौंला ने बताया कि देव शास्त्र और गुरु पूजन आगम रक्षिका आर्यिका रत्न आदिमति माताजी पूजन के साथ गाजे बाजे से शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना भक्ति भाव से की गई। विधान में श्रद्धालुओं ने 130 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर पुण्यार्जन किया। विधान के पश्चात सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने धृत चंदन अगर तगर कपूर धूप आदि द्रव्यों से विश्व शांति महायज्ञ के हवन कुण्डो में आहुतियां दी। इसके बाद सभी पूजार्थियो ने भगवान शांतिनाथ जी की महाआरती उतारी गई। जौंला ने बताया कि विधान कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद धर्म चंद पहाड़ी चेतन चंवरिया राजेन्द्र सेदरिया त्रिलोक रजवास महेंद्र चंवरिया महावीर प्रसाद पराणा महिपाल चंवरिया राजेन्द्र जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग धार्मिक संस्कार शिविर का सम्मान, पुरुस्कार एवं समापन समारोह सम्पन्न

प्रताप नगर, जयपुर. शाबाश इंडिया

25 मई 2024 को प्रातःकाल कृष्णा गार्डन में दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं प्रताप नगर सेक्टर 3 के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय पुरस्कार एव सम्मान समारोह सानंद संपन्न हुआ। दिनांक 15 मई 2024 से 24 मई 2024 तक राजस्थान अंचल, समस्त संभाग एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित दश दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर में प्रतापनगर सेक्टर 3 में छह कक्षाएं संचालित हुई। संस्कार सरोवर भाग 1,2,3,4, छहढाला और तत्वार्थसूत्र । इनमें 108 शिविरार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी कक्षाओं की 24 मई को प्रातः काल परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित एवं पुरस्कार वितरण किए गए। साथ ही शिविर शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। सांगानेर संभाग के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन मलैया ने बताया कि इस अवसर पर महासमिति के

राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डया, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, महासचिव महावीर बाकलीवाल , कार्याध्यक्ष डॉ णमोकार जैन, उपाध्यक्ष डॉ मोहन लाल मणि, कोषाध्यक्ष, रमेश चंद्र जैन, मंत्री महावीर चांदवाड, संभाग के परामर्शक प्रेमचंद बड़जात्या, सांगानेर संभाग कार्याध्यक्ष डॉ भाग चंद जैन , महामंत्री डा.अरविन्दकुमार जैन आदि की सम्माननीय उपस्थिति रही। सांगानेर संभाग एवं सेक्टर-3 के संयुक्त तत्वावधान में कल प्रातः 6.00बजे से 7 दिवसीय बद्रीनाथ के लिए दो मिनी अ/उ बसों द्वारा यात्रा प्रस्थान करेगी। इकाई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार झांझरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के चित्र अनावरण कर्ता श्रीमती चांददेवी अजमेरा, एवं महावीर प्रसाद जैन- श्रीमती मधुबाला देवी जैन थीं। द्वीप प्रज्वलन कर्ता पदमचन्द श्रीमती शीलादेवी जैन अलवर वाले थे। मुख्य अतिथि एवं पुरस्कार वितरण कर्ता श्रीमती मधु जैन परिवार रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि यह शिविर बहुत ही सफलता के साथ संपन्न हुआ। अंचल के अध्यक्ष ने बताया कि इस शिविर में बच्चों से लेकर बूढ़ों ने भरपूर लाभ लिया। शिविर के मुख्य संयोजक ने बताया कि कुल 53 केन्द्रो पर शिविर लगाए गए जिसमें 203 शिक्षको ने अपनी निः स्वार्थ सेवाएं दीं। इसमें 3200 से अधिक शिविरार्थियों ने लाभ उठाया। अंचल के महासचिव ने बताया कि रविवार को समस्त केन्द्रों पर शिविरार्थियों को एक विशेष प्रशिक्षण दिया गया जिसमें भगवान का अभिषेक एवं पूजा करने की शुद्ध विधि बताई गई। इस अवसर पर एक संरक्षक एवं तीन विशिष्ट सदस्य बने जिनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन पण्डित विजय कुमार जैन व्याख्याता ने किया। शान्तिपाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

श्रमण संस्कार शिक्षण शिविर में अर्हम योग व अंताक्षरी महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी - ज्योतिनगर जैन मन्दिर में संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में चल रहे श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में विदुषियों द्वारा पाठ्यक्रम के साथ साथ पाठ्येत्तर गतिविधियाँ करायी गई । प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि शनिवार को शाम को विदुषी नेन्सी , प्रिंसी , आराध्या व सौम्या द्वारा अरहम् योग कराया व सिखाया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अरिहंत , सिद्ध , आचार्य , उपाध्याय व साधु ग्रुप अनुसार बैठाकर अन्ताक्षरी के पाँच अलग अलग राउंड - सामान्य राउंड ,शब्द पकड़ो , लक राउंड.,हाजिर जबाब व सही बताओ...इनाम पाओ कराये गये ।जिसमे सभी ने जोश व उत्साह से भाग लिया ।कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए ।इसके पूर्व प्रातः मंगल प्रार्थना के बाद दीप प्रज्वलन सेवा भावी कैलाश बिंदयाक्या व अनिता बिंदयाक्या परिवार द्वारा किया गया । दिन में विदुषियों द्वारा आचार्य विद्यासागर के जीवन पर लघु नाटिका की तैयारियाँ भी करायी गयी ।